



आरत का राजपत्र

The Gazette of India

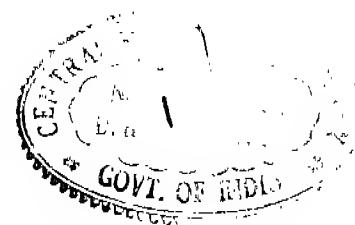
असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 182]

नई दिल्ली, मंगलबार, जून 12, 1979/ज्येष्ठ 22, 1901

No. 182]

NEW DELHI, TUESDAY, JUNE 12, 1979/JYAISTHA 22, 1901

इस भाग में विभिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह पत्रिका संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

नौवेहन और परिवहन भवित्वात्

(परिवहन पक्ष)

प्रधिमूचनाएँ

नई दिल्ली, 12 जून, 1979

सा०का०नि० 370(अ).—केन्द्रीय सरकार, भारतीय पत्रिका अधिनियम, 1908 (1908 का 15) की धारा 34 के साथ पठित धारा 33 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के नौवेहन और परिवहन मंत्रालय (परिवहन पक्ष) की अधिमूचना सं० जा०का०नि० 689(अ) तारीख 9 नवम्बर, 1977 में, इस अधिमूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से साठ दिन की समाप्ति से, निम्नलिखित संक्षेपन करती है, अवतृत् :—

उक्त अधिमूचना की अनुसूची के पश्चात् निम्नलिखित टिप्पण आवेदन स्वाप्ति किया जाएगा, अवतृत् :—

“टिप्पण: इस अधिमूचना के लागू होने की तारीख से एक वर्ष की अवधि तक—”

(क) पत्रन शुल्क किसी ऐसे जलयान पर, जो अस्वात्/मूत्र कर्त्तव्य की उत्तरते के लिये आता है, उद्यग्नीय नहीं होगे।

(ब) अस्वात् पत्रों से मारमूग, गो, उत्तरन में अवेष करने वाले और अपने ही उपकरण के लिये ममान, पानी, बंकट कोयला वा तरल

ईंधन को लेने वाले जलयानों पर उक्त अनुसूची के स्तरम् 2 में विनिर्दिष्ट दरों से आवृद्ध दरों पर पत्रन शुल्क प्रभासित किया जायगा।

(ग) अन्य पत्रों से मारमूगओं पत्रन में अवेष करने वाले ऐसे जलयानों पर जो अपयान से कोई स्वीकार या याकौ उत्तरान्ते या उस पर छक्कते नहीं हैं (ऐसी पुनः स्वार्द्ध या उत्तराई को छोड़कर को मरम्भत के प्रयोजन के लिये आवश्यक है) उक्त अनुसूची के स्तरम् 2 में विनिर्दिष्ट दरों से आवृद्ध दरों पर पत्रन-शुल्क प्रभासित किया जायगा,

(घ) बली, चीनी, सीमेंट, बाल फ्रान्ज, बाल फ्रान्ज, मशीनरी, और अन्य साधारण स्टोरा (अयक्त और दी ओ एल उत्ताद से जिज्ञ) की लक्ष्याई उत्तराई करने वाले भी जलयानों पर मार्गदर्शन फीस, उपरोक्त दर के 50 प्रतिशत के हिसाब से प्रभासित की जायगी परन्तु यह तब जब कि सम्भाला गया स्टोरा 5000 मीट्रिक टन से अधिक नहीं है, ‘सम्भाला गया स्टोरा’ से पत्रन पर आवृद्ध के पश्चात् एक समय में जलयान द्वारा संबालित कुल आवात और नियति अभिन्न है।”

[फा० सं० पी० जी० प्रा० ८२/७८]

MINISTRY OF SHIPPING & TRANSPORT
(Transport Wing)
NOTIFICATIONS

New Delhi, the 12th June, 1979

G.S.R. 370(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 33, read with section 34, of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Shipping and Transport (Transport Wing), No. G.S.R. 689(E), dated the 9th November, 1977 with effect from the day following the expiration of sixty days from the date of publication of this notification in the Official Gazette, namely :—

After the Schedule to the said notification, the following note shall be inserted, namely :—

"Note—For a period of one year from the date of enforcement of this notification—

- (a) Port dues shall not be levied on any vessel calling for disembarking sick/deceased crew.
- (b) Vessels entering the Port of Mormugao from other ports and taking in only provisions, water, bunker coal or liquid fuel for their own consumption, shall be charged port dues at one half of the rates specified in column 2, of the said schedule.
- (c) Vessels that enter the port of Mormugao from other ports but do not discharge or take in any cargo or passengers therein (with the exception of such un-shipment and reshipment as may be necessary for purpose of repair) shall be charged port dues at one half of the rates specified in column 2, of the said Schedule.
- (d) All vessels loading/unloading oil cakes, sugar, cement, foodgrains, fertilisers, machinery and other general cargo (other than the ores and the POL products) shall be charged port dues at one half of the rates, specified in column 2, of the said schedule: provided the cargo handled does not exceed 5,000 metric tonnes. "Cargo handled" means both the import as well as export, taken together handled by a vessel at a time after calling at the Port."

[F. No. PGR-82/78]

तांका०मि० 371(ए).—केन्द्रीय सरकार, भारतीय पत्तन प्रधिनियम, 1908 (1908 का 15) की धारा 35 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त अंकितयों का प्रयोग करते हुए, मारमुगाओं पत्तन मार्गदर्शन (फीस) आदेश,

1967 म प्रौढ़ संशोधन करते के लिए निम्नलिखित आदेश कही है।
अधिकृत :—

1. (1) इस आदेश का नाम मारमुगाओं पत्तन मार्गदर्शन (फीस) संशोधन आदेश, 1979 है।

(2) यह तुरन्त प्रवृत्त होगा और एक वर्ष तक प्रवृत्त रहेगा।

2. मारमुगाओं पत्तन मार्गदर्शन (फीस) आदेश, 1967 की अनुसूची में भागक में, प्रविष्टि (1) के पश्चात् निम्नलिखित टिप्पण अन्त स्थापित किया जायगा, अधिकृत :—

"टिप्पण : बली, चीनी, सीमेन्ट, खाद्य अनाज, खाद अनाज, मणीनी और अन्य साधारण स्पौरा (अवस्था और पी औ एल उत्पाद से भिन्न) की नदाई उत्तराई करते वाले सभी जलयानों पर मार्गदर्शन फीस, उपरोक्त दर के 50 प्रतिशत के हिसाब से प्रभारित की जायेगी परन्तु यह तब तक कि मध्याह्न गया स्पौरा 5000 मीट्रिक टन से अधिक नहीं है, 'मध्याह्न गया स्पौरा' से पत्तन पर आने के पश्चात् एक तमय में अन्यान्यांश मंचान्वित कुप्रापात और नियति प्रभिप्रेत है।"

[फा०सं० पोजीशार-83/78]
सुदर्शन बसुदेश, उप लिखि

G.S.R. 371(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 35 of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908), the Central Government hereby makes the following order further to amend the Port of Mormugao Pilotage (Fees) Order, 1967, namely :—

- 1. (1) This order may be called the Port of Mormugao Pilotage (Fees) Amendment Order, 1979.
- (2) It shall come into force at once and be in force for one year.

2. In the Port of Mormugao Pilotage (Fees) Order, 1967, in the Schedule, in part A, after entry (1), the following note shall be inserted, namely :—

"Note : All vessels loading/unloading oil cakes, sugar, cement, foodgrains, fertilisers, machinery and other general cargo (other than the ores and the POL products) shall be charged pilotage fees at 50 per cent of the above rate, provided the cargo handled does not exceed 5000 metric tonnes. 'Cargo handled' means both the import as well as export, taken together, handled by a vessel at a time after calling at the port."

[F. No. PGR-83/78]
S. VASUDEV Dy. Secy.